तापमान

भोपाल	30.0°	24.4°
इंदौर	27.6°	23.2°
जबलपुर	28.7°	24.1°
ग्वालियर	35.6°	26.8°

दैनिक
नईदुनिया

भोपाल एवं सागर से एकसाथ प्रकाशित

वर्ष- 78
(भोपाल : वर्ष 39 अंक 238,पृष्ठ 12)
शुक्रवार 26 जुलाई 2024
राजधानी संस्करण
कीमतः 3:00 रुपये

राजधानी... नवाचार, शोध और अनुसंधान के केंद्र बनेंगे...

खेल... नीता अंबानी दूसरी बार चुनी गईं आईओसी की सदस्या...

व्यापार... स्टार लिंक सेवा अब एक हजार से ज्यादा विमानों में...

देश-विदेश... पूर्व सेना प्रमुख ने किया फिर चुनाव लड़ने का ऐलान...

www.naiduniaonline.com

लोकसभा में तीखी नोकझोंक का दौर...

मोदी सरकार पर विपक्ष ने लगाया एबी बजट का आरोप

नईदिल्ली(एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा 23 जुलाई को पेश किए गए केंद्रीय बजट 2024-25 पर चर्चा गुरुवार को संसद के दोनों सदनों में फिर से शुरू हुई। विपक्ष बजट के खिलाफ आज भी सरकार पर हमलावर रहा। हालांकि, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष से गुरुवार को संसद के बजट सत्र में बजट पर चर्चा पर कायम रहने का आग्रह किया।

संसद का मानसून 22 जुलाई को शुरू हुआ और 12 अगस्त को समाप्त होने वाला है। लोकसभा में कांग्रेस और सत्ता पक्ष के सदस्यों के बीच तीखी नोकझोंक भी देखने को मिली। वहीं, भाजपा सांसद अरुण सागर ने बसपा संस्थापक दिवंगत कांशीराम को मरणोपरांत 'भारत-रत्न' से सम्मानित करने की मांग लोकसभा में उठाई। तृणमूल कांग्रेस ने केंद्रीय बजट को 'कॉपी-पेस्ट' और 'एबी' (आंध्र प्रदेश-बिहार) बजट बताते हुए लोकसभा में बृहस्पतिवार को कहा कि ''केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण कोई अर्थशास्त्री नहीं हैं और वह प्रधानमंत्री कार्यालय के इशारे पर बजट बनाती हैं।'' तृणमूल कांग्रेस सांसद सौगत राय ने 'वित्त वर्ष 2024-25 के केंद्रीय बजट पर आगे की सामान्य चर्चा' में हिस्सा लेते हुए कहा कि वह बजट को लेकर सरकार के खिलाफ पार्टी सदस्य अभिषेक बनर्जी के आरोपों से सहमत हैं।

लोकसभा में बृहस्पतिवार को केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू और कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी के बीच तीखी नोकझोंक हो गई और हंगामा बढ़ने के कारण सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। कांग्रेस सांसद ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत केंद्र सरकार की तुलना ईस्ट इंडिया कंपनी से करते हुए आरोप लगाया, ''इनमें (सत्तापक्ष) और अंग्रेजों में कोई फर्क नहीं है, सिर्फ रंग का फर्क है। पहले ये सत्ता में काबिज हुए और फिर सत्ता के रास्ते ये देश के उद्योगों पर अपने लोगों का कब्जा करा रहे हैं।'' इस पर रेल राज्य मंत्री और पूर्व कांग्रेस सदस्य बिट्टू ने कुछ टिप्पणी की। जवाब में चन्नी ने उनका नाम लेते हुए कहा, ''आपके पिताजी शहीद हुए थे। लेकिन मैं आपको बता दूं कि वह उस दिन मरे, जिस दिन आपने कांग्रेस को छोड़ा।'' इस पर पीठासीन सभापति संध्या राय ने कांग्रेस सदस्य से व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं करने को (शेष पेज 2 पर)

जेल का बजट बढ़ा दो, अगला नंबर तुम्हारा है: संजय सिंह

आम आदमी पार्टी के संजय सिंह ने केंद्रीय बजट 2024 पर चर्चा के दौरान भाजपा के नेतृत्व वाली मोदी सरकार पर हमला बोला। सिंह ने रक्षा, स्वास्थ्य, खेती, शिक्षा और परिवहन जैसे क्षेत्रों के लिए बजट आवंटन कम करने के लिए सरकार की आलोचना की। उन्होंने तंज कसते हुए सरकार से जेलों का बजट बढ़ाने की भी मांग की। राज्यसभा में आम बजट 2024-25 पर चर्चा में भाग लेते हुए सिंह ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सहित विपक्ष के अन्य नेताओं को 'पकड़कर जेल में डालने' का दावा किया कि आरोप लगाया कि सरकार का मकसद ऐसे मामलों में न्याय दिलाना नहीं है। सिंह ने कहा कि कृषि, स्वास्थ्य, परिवहन, पेंशन और ऊर्जा क्षेत्र के साथ ही वैज्ञानिक विभाग और जेल का भी बजट कम कर दिया गया है। उन्होंने कहा, ''जेल का बजट तो बढ़ा दीजिए। अभी हमको जेल में भेजे हो। कल तुमको जेल में आना है। जेल का बजट बढ़ा दो, जेल को ठीक कर दो। अगला नंबर तुम्हारा है। कम से कम जेल को तो ठीक कर दो।

सरकार का भविष्य सुरक्षित करने वाला बजट : विपक्ष

विपक्षी दलों ने बजट को सरकार का भविष्य सुरक्षित करने वाला बजट बताते हुए गुरुवार को कहा कि इसमें सरकार की बैठसाखियां बने आंध्र प्रदेश तथा बिहार को ही महत्व दिया गया है और इस तरह से यह बजट 'आंध्र-बिहार' का बजट बन कर रह गया है। तृणमूल कांग्रेस के सौगत राय ने लोकसभा में बजट 2024-25 पर जारी चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि इस बजट में समाज के किसी भी वर्ग को लाभ देने का काम नहीं हुआ है।

हम प्रदेश के उद्योग धंधों को...

वैश्विक सप्लाई चेन का हिस्सा बनाने के विजन पर कर रहे कामः डॉ. यादव

भोपाल(काप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्य प्रदेश में निवेश को सुविधाजनक बनाने के लिए कोयम्बटूर तमिलनाडु में मध्यप्रदेश का एक उद्योग कार्यालय खोला जाएगा। यह कार्यालय मध्य प्रदेश और तमिलनाडु के बीच व्यापार और व्यवसाय बढ़ाने के लिए सेतु का काम करेगा।

मुख्यमंत्री ने कोयम्बटूर में आयोजित इन्वेस्ट एमपी-इंटरेक्टिव सत्र को किया संबोधित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव कोयम्बटूर में इन्वेस्ट एमपी- इंटरेक्टिव सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इन्वेस्टर समिट का एक उद्देश्य यह भी है कि व्यापार और व्यवसाय के आधार पर विभिन्न प्रदेश परस्पर नजदीक आएं और हम मिलकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत को दुनिया का नंबर वन देश बनाने की दिशा में संकल्पित होकर कार्य करें। यहाँ के उद्योगपतियों ने कोयम्बटूर और त्रिपुर को अपने बलबूते पर इंडस्ट्रियल हब के रूप में स्थापित किया है, अब मध्यप्रदेश आपको बुला रहा है, हम आपको व्यापार व्यवसाय बढ़ाने के नए अवसर देने और प्रेम बांटते हुए मध्यप्रदेश एवं तमिलनाडु के संबंधों को अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से यहां आए हैं। मुख्यमंत्री ने दक्षिण भारत के प्रमुख औद्योगिक केंद्र कोयम्बटूर में आयोजित इन्वेस्ट एमपी-इंटरेक्टिव सत्र का दीप प्रवलित कर तथा तुलसी के पौधे में जल अर्पित कर शुभारंभ किया।

कोयम्बटूर टैक्सटाइल एवं गारमेंट, इंजीनियरिंग और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे औद्योगिक सेक्टर के लिए जाना जाता है। प्रदेश में निवेश और औद्योगिक गतिविधियों के प्रोत्साहन के लिए भोपाल में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में तमिलनाडु के उद्योगपतियों को आमंत्रित करने के उद्देश्य से कोयम्बटूर में रोड शो और निवेशकों व उद्योगपतियों के साथ इंटरेक्टिव सत्र आयोजित किया गया। सत्र में 1200 से अधिक प्रतिनिधियों ने भागीदारी की तथा मध्यप्रदेश में निवेश के लिए 3500 करोड़ रुपए से अधिक निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए। (शेष पेज-12 पर)

खास-खबरें

राजनाथ ने वियतनाम दूतावास जाकर गुयेन फु ट्रोंग को श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली(एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को यहां वियतनाम दूतावास जाकर सरकार और भारत के लोगों की ओर से वियतनाम की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के महासचिव गुयेन फु ट्रोंग को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री ट्रोंग का हाल ही में निधन हो गया था। रक्षा मंत्री ने वियतनाम के राजदूत गुयेन थान हाई के प्रति संवेदना व्यक्त की। रक्षा मंत्री ने पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद शोक पुस्तिका पर हस्ताक्षर किए। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि भारत दुख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिवार, वियतनाम के लोगों और नेतृत्व के साथ खड़ा है।

विनीत खन्ना का स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति का आवेदन स्वीकृत

भोपाल(काप्र)। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पुलिस महानिरीक्षक स्तर के अधिकारी विनीत खन्ना का स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति का आवेदन इस शर्त के साथ स्वीकार कर लिया गया है कि वे एक वर्ष तक कोई व्यावसायिक पद धारण नहीं करेंगे। गृह विभाग के अपर सचिव अजय गुप्ता की ओर से आज इस संबंध में आदेश जारी किया गया। इसमें कहा गया है कि वर्ष 2006 बैच के आईपीएस अधिकारी श्री खन्ना पुलिस मुख्यालय भोपाल में महानिरीक्षक चयन एवं भर्ती पद पदस्थ हैं। उन्होंने इसी वर्ष 26 जून को नोटिस भेजकर 30 सितंबर 2024 से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति प्रदान करने का अनुरोध किया है।

नीट पेपर लीकः सीबीआई ने गेस्ट हाउस और स्कूल में मारा छापा

रांची(एजेंसी)। नीट-यूजी पेपर लीक स्कैम में सीबीआई ने गुरुवार को हजारीबाग में एक बार फिर दबिश दी। दिल्ली और पटना से आई एजेंसी की टीम ने शहर के कटकमसांडी रोड स्थित राज गेस्ट हाउस की तलाशी ली। यहां से कई दस्तावेज एवं साक्ष्य जब्त किए गए हैं। इस गेस्ट हाउस के संचालक राजकुमार उर्फ राजू सिंह को सीबीआई ने 15 जुलाई को ही गिरफ्तार किया था। इसके बाद 16 जुलाई को गेस्ट हाउस को सील कर दिया गया था। सीबीआई की अब तक की जांच में यह साफ हो चुका है कि पेपर लीक स्कैम का मेन सेंटर हजारीबाग ही था।

राजू की रिमांड तीन दिन बढ़ी

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से आयोजित नीट 2024 के प्रश्न पत्र लीक मामले में बिहार में पटना की एक विशेष अदालत ने अभियुक्त राजकुमार सिंह उर्फ राजू की पुलिस रिमांड अवधि आज तीन दिनों के लिए और बढ़ा दी। सीबीआई ने 10 दिनों की पुलिस रिमांड पर हिरासती पूछताछ करने के बाद आवेदन दाखिल कर गहन पूछताछ के लिए उसकी पुलिस रिमांड की अवधि बढ़ाए जाने की प्रार्थना की। जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया।

राष्ट्रपति भवन का दरबार व अशोक हॉल...

अब बना गणतंत्र और अशोक मंडप

नईदिल्ली(एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने ऐतिहासिक राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल और अशोक हॉल का नाम बदलकर क्रमशः गणतंत्र मंडप और अशोक मंडप कर दिया है।

राष्ट्रपति भवन की ओर से गुरुवार को जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गयी है। राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल में विभिन्न राष्ट्रीय पुरस्कारों और अन्य महत्वपूर्ण समारोहों का आयोजन किया जाता है. विज्ञप्ति में कहा गया है कि स्वतंत्र भारत में दरबार शब्द अप्रासंगिक हो चुका है, गणतांत्रिक देश की भावना के अनुसार, इसका नया नामकरण करते हुये कहा गया है कि भारतीय समाज में गणतांत्रिक व्यवस्था की जड़ें प्राचीन काल से गहरी हैं। राष्ट्रपति भवन का अशोक हॉल अंग्रेजों के समय में बॉलरूम (नृत्यकक्ष) के रूप में प्रयोग में लाया जाता था। उल्लेखनीय है कि ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन के दौरान राजधानी कलकत्ता (कोलकाता) से दिल्ली स्थानांतरित किये जाने से पहले गवर्नर जनरल कलकत्ता(अब कोलकाता) के गवर्नमेंट हाउस में रहते थे । लॉर्ड वेलेस्ली के नाम से प्रसिद्ध भारत में तत्कालीन गवर्नर जनरल रिचर्ड कोली वेलेस्ली (1798 और 1805) ने इस भवन के निर्माण का आदेश दिया। इसका निर्माण 1912 में शुरू हुआ और 17 साल में पूरा हुआ। यह भवन 321 एकड़ में फैला हुआ है।

सरकार के लिए दरबार नहीं, 'शहंशाह' का सिद्धांत हैः प्रियंका

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति भवन के 'दरबार हॉल' और 'अशोक हॉल' का नाम बदले जाने के बाद केंद्र सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इस सरकार के लिए दरबार का नहीं, बल्कि ''शहंशाह'' का सिद्धांत है। राष्ट्रपति भवन के प्रतिष्ठित 'दरबार हॉल' और 'अशोक हॉल' के नाम बृहस्पतिवार को बदलकर क्रमशः 'गणतंत्र मंडप' और 'अशोक मंडप' कर दिए गए। इस बारे में पूछे जाने पर प्रियंका गांधी ने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''दरबार का नहीं, शहंशाह का सिद्धांत है।

पुणे में भारी बारिश से चार लोगों की मौत

पुणे(एजेंसी)। लगातार हो रही बारिश ने पुणे और उसके आसपास के इलाकों में व्यापक तबाही मचाई है, जिसमें कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और शहर के निचले इलाकों में कई घर जलमग्न हो गए। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि बाढ़ के कारण अधिकारियों को हाउसिंग सोसाइटियों से प्रभावित निवासियों को निकालना पड़ा।

बचाव कार्य के लिए सेना भेजी गई

जिला प्रशासन द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, सुबह 7:30 बजे समाप्त हुए 24 घंटों में लोनावला में 300 मिमी, लवासा में 417 मिमी और जुन्नार में 214 मिमी बारिश हुई। बुधवार रात पुणे शहर में भिड़े ब्रिज के पास बिजली का करंट लगने से तीन युवकों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान अभिषेक अजय घनेकर, आकाश विनायक माने और शिवा परिहार के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि डेक्कन इलाके में अंडे की भुर्जी की दुकान चलाने वाले तीनों लोग उस समय बिजली के करंट की चपेट में आ गए, जब वे अपनी दुकान बंद कर रहे थे। एक अलग घटना में, गुरुवार सुबह अधरवाड़ी गांव में भूस्खलन से एक व्यक्ति की मौत हो गई और दूसरा घायल हो (शेष पेज 2 पर)

अमृतपाल को लेकर चन्नी के बयान पर भड़की भाजपा, कहा

कांग्रेस का हाथ,खालिस्तानियों के साथ

नईदिल्ली(एजेंसी)। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने गुरुवार को खालिस्तानी नेता और अलगाववादी अमृतपाल सिंह को जेल में बंद करने को आपातकाल जैसी स्थिति से जोड़कर विवाद पैदा कर दिया। बजट पर लोकसभा में बोलते हुए, चन्नी ने एनडीए के नेतृत्व वाले केंद्र की आलोचना की और कहा कि पंजाब की खडूर साहिब लोकसभा सीट से लगभग 20 लाख लोगों द्वारा एक स्वतंत्र सांसद के रूप में चुने गए वारिस पंजाब दे प्रमुख अपने विचार वह अपने निर्वाचन क्षेत्र के विचार प्रस्तुत नहीं कर सकते क्योंकि उन्हें जेल में बंद कर दिया गया है। इसी को लेकर अब भाजपा कांग्रेस सांसद पर हमलावर हो गई है। केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि एक पूर्व सीएम देशद्रोही जैसा आचरण कर रहे हैं और सदन के माध्यम से पूरे देश को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसानों पर एनएसए लगाया गया है।

योगी सरकार एक लाख एनएचएम कर्मियों को देगी 30 लाख का बीमा

लखनऊ(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत प्रदेश में कार्यरत 98 हजार कर्मचारियों को 30 लाख रुपये के जीवन बीमा का लाभ मिलेगा। असामयिक मृत्यु होने की दशा में उनके परिजनों को यह धनराशि दी जाएगी। एनएचएम की ओर से सभी जिला कार्यक्रम प्रबंधकों को इसके लिए दिशा-निर्देश भेज दिए गए हैं। लंबे समय से बीमा की मांग कर रहे कर्मचारियों के लिए यह व्यवस्था लागू कर दी गई है। एनएचएम की मिशन निदेशक डॉ. पिंकी जोवेल के मुताबिक, ऐसे संविदा कर्मचारी जिनकी आयु 18 वर्ष से कम और 65 साल से अधिक न हो उन्हें इसका लाभ मिलेगा।

जल्द भरे जाएंगे आयोगों, बोर्ड और निगमों के खाली पद

भाजपा में कार्यकर्ताओं की उपेक्षा को लेकर घमासान के बाद अब उम्मीद जगाई जा रही है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकारी आयोग, बोर्ड और निगमों में खाली पड़े पदों पर अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं की नियुक्ति को लेकर बड़ा कदम उठा सकते हैं। इसी कड़ी में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चैधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल ने क्षेत्रीय अध्यक्षों व क्षेत्र प्रभारियों के साथ बैठक भी की थी। इसमें गन्ना समितियों और नगर निकायों में पार्षदों के मनोनयन पर चर्चा की गई।

केजरीवाल की न्यायिक हिरासत अवधि आठ अगस्त तक बढ़ायी गयी

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली की एक विशेष अदालत ने गुरुवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दर्ज दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से संबंधित भ्रष्टाचार के एक मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत की अवधि आगामी आठ अगस्त तक बढ़ा दी। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जेल में बंद श्री केजरीवाल की न्यायिक हिरासत बढ़ा दी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से दर्ज धनशोधन के एक अन्य मामले में मुख्यमंत्री की हिरासत 31 जुलाई तक बढ़ा दी गयी। श्री केजरीवाल को तिहाड़ जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के राउज एवेन्यू स्थित विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया गया।

स्पेशल खबर *कारगिल युद्ध के बहादुरों का...*

सर्वोच्च बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगाः सीडीएस

नई दिल्ली(एजेंसी)। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने बृहस्पतिवार को कहा कि कारगिल युद्ध में बहादुर सैनिकों द्वारा दिया गया सर्वोच्च बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा।

जनरल चौहान ने कारगिल युद्ध की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर सशस्त्र बलों के सभी रैंकों को बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने अपने संदेश में जोर देकर कहा कि कारगिल युद्ध में बहादुरों द्वारा दिया गया सर्वोच्च बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। उन्होंने कहा, यह न केवल सैनिकों बल्कि देश के युवाओं की भावी पीढ़ियों को भी प्रेरित करता रहेगा। कारगिल युद्ध की विशिष्टता पर प्रकाश डालते हुए सीडीएस ने कहा कि कारगिल युद्ध में न केवल सेना के लिए बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े सभी लोगों के लिए सबक थे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि खून बहाकर सीखे गए सबक को नहीं भूलना चाहिए, गलतियों को दोहराया नहीं जाना चाहिए और सही सबक लेकर इरादे मजबूत करने चाहिए। सशस्त्र बलों में सुधारों के बारे में, जनरल अनिल चौहान ने कहा कि तीनों सेनाएं एक बड़े सुधार की दहलीज पर हैं, जो संगठनात्मक, संरचनात्मक, वैचारिक से लेकर सांस्कृतिक (शेष पेज 2 पर)

कारगिल विजय दिवस कार्यक्रम में बोले जेपी नड्डा-यह नया भारत

नईदिल्ली(एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री और भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा ने मार्शल रैली में भाग लिया और कारगिल युद्ध के दौरान अपनी जान गंवाने वाले सैनिकों के सम्मान में कारगिल विजय दिवस की पूर्व संध्या पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस दौरान नड्डा ने कहा कि इस दिन को हम विजय दिवस के रूप में मनाते हैं लेकिन इसके साथ ही हम उन सैनिकों के बलिदान को भी याद (शेष पेज 2 पर)